सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती **परिपत्र क्र. : 03/2014**

महासचिव : का. बी. सान्याल **दिनांक : 03.01.2014**

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : CZIEA के अष्टम महाधिवेशन में लिये गये प्रमुख निर्णय।

प्रतिनिधि सत्र :

अधिवेशन के द्वितीय दिन 16 दिसम्बर, 2013 को प्रतिनिधि सत्र आरंभ हुआ। अधिवेशन के विधिवत संचालन के लिये क्रिडेंशियल, मिनिट्स व प्रस्ताव कमेटियों का निर्माण किया गया। अधिवेशन में सर्वप्रथम कार्यकारिणी समिति की ओर से CZIEA के महासचिव ने अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय व औद्योगिक परिस्थितियों व विगत तीन वर्षों के सांगठनिक क्रियाकलापों को समावेशित कर एक विस्तृत रिपोर्ट तथा कोषाध्यक्ष का. बी.के. ठाकुर ने CZIEA एवं आन्दोलन की खबर का विगत तीन वर्षों का लेखा विवरण प्रस्तुत किया।

वैश्विक संकट की आड़ में बढ़ता आक्रमण और मजदूर वर्ग का तीखा होता प्रतिरोध :

अधिवेशन में कुल 44 साथियों ने रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए एकमतेन माना कि वैश्विक स्तर पर विगत दो दशकों से अधिक समय से, समाजवादी सोवियत यूनियन के विघटन के बाद विश्व शक्ति संतुलन में आये बदलावों की आड़ में विश्व जनता पर साम्राज्यवाद परस्त वैश्वीकरण, उदारीकरण, निजीकरण की नीतियों के जरिये हमला तीखा हुआ है। मुनाफे की हवस व विश्व वित्तीय पूंजी की दुनिया के संपत्ति पर प्रभुत्व स्थापित करने की पूंजीपति सरमायेदारों की लालसा ने एक दुनिया में दो दुनिया का निर्माण कर दिया है। रिपोर्ट ने पाया कि अमरीका में 1 प्रतिशत अमरीकी 42 प्रतिशत सम्पदा के मालिक हैं। जबकि निचले तबके के 80 प्रतिशत के पास केवल 7 प्रतिशत सम्पदा है। 10 प्रतिशत उच्च अमरीकी, आय वृद्धि के 90 प्रतिशत पर नियंत्रण किये हुए हैं जबकि पिछले 30 वर्षों से मजदूरों का वास्तविक वेतन गिर रहा है। दुनिया की सबसे अमीर अर्थव्यवस्था कहलाने वाली अमरीका में 15 प्रतिशत आबादी गरीब है और 6 अमेरिकीयों में से एक अमरीकी फूड कूपन पर निर्भर है, यानि एक अमरीका में ही दो अमरीका हैं। आज वास्तविकता यह है कि जो लोग यह दावा करते थे कि पूंजीवाद के पास ही मानव समाज के विकास की कुंजी है, निजीकरण, वैश्वीकरण, उदारीकरण ही वह मूलमंत्र है जिसके रास्ते पर चलकर दुनिया खुशहाल होगी, उनकी कलई खुल गई है। यही कारण है कि पूरी दुनिया सहित अमेरिका में भी साम्राज्यवादी नीतियों के विरोध में मेहनतकश अवाम एकजुट हो रही है। ''आक्यूपायी वाल स्ट्रीट'' आन्दोलन और वैश्विक प्रतिरोध में उसकी गूंज सुनाई दे रही है। अधिवेशन ने चर्चा में यह स्पष्ट रेखांकित किया है कि लैटिन अमरीकी देश इन नीतियों के खिलाफ वैकल्पिक जनपक्षीय नीतियों का विकल्प पेश कर रहे हैं। सम्मेलन ने इस पृष्ठभूमि में यह स्पष्ट समझ कायम की कि पूंजीवाद में कभी भी मानव समाज की तकलीफों का समाधान नहीं हो सकता। इसलिये आगामी दिनों में विश्व मेहनतकशों का पूंजीवादी वैश्वीकरण के खिलाफ संघर्ष निश्चय ही और सशक्त होगा तथा बीमा कर्मी इस संघर्ष में अपनी सक्रिय भूमिका जारी रखेंगे।

नेता नहीं नीतिगत विकल्प के लिये हस्तक्षेप जरूरी :

अधिवेशन ने राष्ट्रीय परिस्थितियों पर चर्चा में पाया कि भारत में भी शासक वर्ग विगत दो दशकों से नवउदारवादी नीतियों को देश पर थोप रहे हैं। आज भारत में उभरा संकट दरअसल इन नीतियों की देन है। इन नीतियों से उपजे संकट से भी भारत का शासक वर्ग कुछ सीखने तैयार नहीं है। नतीजतन महंगाई बेलगाम है, भुखमरी, बेरोजगारी, अशिक्षा, गरीबी चरम में है। शासक वर्ग इन संकटों का बोझ गरीब जनता पर डाल रही है। सम्मेलन ने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि इसी समय देश का समूचा मेहनतकश वर्ग 28 फरवरी, 2012, फिर 20-21 फरवरी, 2013 की हड़तालें, 12 दिसम्बर 2013 के संसद मार्च के जरिये आजाद भारत के इतिहास की सबसे बड़ी हड़तालें संगठित कर रहा है।

अधिवेशन ने यह भी माना कि इन नीतियों के खिलाफ बदलाव मात्र व्यक्तियों के चेहरे से नहीं हो सकता, बल्कि यह बदलाव नीतियों के बदलाव के रूप में होना चाहिए ताकि जनपक्षीय विकल्प इन नीतियों के खिलाफ सामने आ सके। सम्मेलन की यह स्पष्ट राय थी कि इस प्रक्रिया में साम्प्रदायिक, फिरकापरस्त, जातिवादी, मेहनतकशों की वर्गीय एकता की दुश्मन तमाम ताकतों के खिलाफ सतत् विचारधारात्मक संघर्षों को चलाने के साथ-साथ वैकल्पिक नीतियों के निर्माण के लिये संघर्षरत वामपंथी, जनवादी आन्दोलन की मजबूती के लिये अपना सक्रिय योगदान सुनिश्चित करना होगा। सम्मेलन का यह दृढ़ मत था कि बीमा कर्मियों को एक मेहनतकश के रूप में वर्ष 2014 के लोकसभा के चुनाव में इस

अनुरूप ही केन्द्र में मेहनतकशों की दुश्मन नवउदारवाद की समर्थक भाजपा व कांग्रेस को पराजित कर गैर कांग्रेस-गैर भाजपायी विकल्प के सरकार के निर्माण के उद्देश्य से राजनैतिक हस्तक्षेप का आह्वान किया।

राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत में जारी रखो अभियान :

अधिवेशन ने चर्चा में इस तथ्य को भी पुष्ट किया कि शासक वर्ग की चौतरफा आक्रमणों, विपरीत आर्थिक, राजनीतिक परिस्थितियों तथा निजी प्रतिस्पर्धियों के साथ प्रतिस्पर्धा के दौर में राष्ट्रीयकृत LIC व आम बीमा कंपनियों द्वारा इस दौरान दर्ज की गई प्रगति बेमिसाल है। देश में नकारात्मक आर्थिक वृद्धि के वर्तमान दौर में भी राष्ट्रीयकृत उद्योग की यह प्रगति शासक वर्ग व साम्राज्यवादी मुनाफाखोरों की आंख में किरकिरी बनी हुई है। यही कारण है कि AIIEA को जनता से मिल रहे अपार जनसमर्थन व बीमा उद्योग में संसद की वित्त संबंधी स्थाई समिति की सर्वसम्मत अनुशंसाओं के बाद भी बीमा कानून संशोधन विधेयक 2008 को संसद में पारित करने के लिये सरकार व्यग्र है। अधिवेशन ने कहा LIC व GIC की रक्षा के लिये इन अभियानों को अविराम रूप से चलाते रहना होगा। सम्मेलन की यह स्पष्ट राय थी कि इस प्रक्रिया में हमें आम बीमा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनियों के एकीकरण और साथ ही राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की मजबूती व इनके खिलाफ जारी षड़यंत्रों के विरूद्ध जनता के हर हिस्से की लामबंदी के जनअभियान को प्रत्येक स्तर पर जारी रखना होगा।

वेतन पुनर्निर्धारण : संघर्ष के लिये तैयार रहो :

अधिवेशन ने यह भी माना है कि विपरीत आर्थिक परिस्थिति में दर्ज की गई प्रगति के मद्देनजर बीमा कर्मी 40 प्रतिशत वेतन पुनर्निर्धारण के हकदार हैं। एक मेहनतकश वर्ग के रूप में हम यह जानते हैं कि यह एक राजनैतिक मांग है इसलिये वेतन पुनर्निर्धारण का संघर्ष शासक वर्ग की वेतन जाम की नीति के खिलाफ वर्गीय संघर्ष का हिस्सा है तथा इसके लिये लगातार लड़ना होगा। बीमा कर्मियों को इस संघर्ष के लिये तैयार रहना होगा।

संगठन को मजबूत बनाओ :

अधिवेशन ने एकमेतन कहा कि इन जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिये CZIEA को और मजबूत करना होगा तथा आगामी समय में संगठन को प्रत्येक स्तर पर सुदढ़ करते रहना होगा। सम्मेलन ने इस दौरान AIIEA के प्रयासों से चतुर्थ श्रेणी संवर्ग में स्थायीकरण के जरिये आये नये साथियों को बधाई देते हुये उनसे संगठन को मजबूत करने अपना सक्रिय योगदान का आह्वान किया। सम्मेलन ने अंशकालिक सफाई कर्मचारियों को पूर्णकालिक किये जाने की जीत के लिये भी AIIEA को बधाई दी। सम्मेलन की यह स्पष्ट राय थी कि बीमा उद्योग में AIIEA का कोई विकल्प नहीं है इसलिये आगामी चुनौतियों से निपटने जो साथी आज भी AIIEA की छतरी से बाहर है उन्हें संगठन में जोड़ने सतत् प्रयास जारी रखे जायें तथा संगठन को वैचारिक, सांगठनिक प्रत्येक मायने में सुदृढ़तम संगठन बनाने का अभियान जारी रखा जाये।

रिपोर्ट पर चर्चा के उपरांत इस रिपोर्ट तथा लेखा विवरण को सर्वसम्मति से पारित किया गया। अधिवेशन ने विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर कुल 11 प्रस्ताव भी पारित किये।

अधिवेशन द्वारा लिये गये अन्य प्रमुख निर्णय निम्नानुसार है :-

1. **बीमा कानून संशोधन विधेयक 2008 के खिलाफ लोकसभा व राज्यसभा सदस्यों को ज्ञापन :**

सम्मेलन ने AIIEA की अक्टूबर 2013 में हैदराबाद सचिव मंडल के निर्णय के अनुरूप पुनः सांसदों व प्रमुख नेताओं को इस मामले में ज्ञापन सौंपने के निर्णय की विधानसभा चुनावों के चलते क्रियान्वयन न हो पाने के कारण सम्मेलन के फौरन बाद इस कार्य को तत्काल पूर्ण किये जाने का आह्वान किया।

2. **''भारत के लिये लोग'' मंच को पुनर्गठित करते हुए सक्रिय करेंगे :**

सम्मेलन ने PFI के मामले में प्रगति की समीक्षा करते हुये यह आह्वान किया कि जहां PFI बन गया है उसे पुनगर्ठित कर सक्रिय किये जाने व जहां नहीं बना है उन केन्द्रों में इसके निर्माण व नियमित गतिविधि को सुनिश्चित करने तत्काल पहल की जाय।

3. **''आन्दोलन की खबर'' की सदस्यता बढ़ाओ, आगामी वर्ष से सदस्यता शुल्क में वृद्धि :**

सम्मेलन ने 'आन्दोलन की खबर' की सदस्य संख्या में वृद्धि का अभियान जारी रखने के साथ-साथ इसे बेहतर करने में सभी साथियों से योगदान दिये जाने का आह्वान करते हुये, समय पर इसका नवीनीकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सम्मेलन ने ऐसे मंडल इकाईयों जहां उनकी सदस्य संख्या से अधिक 'आन्दोलन की खबर' जाती है के लिये उन्हें बधाई देते हुये अन्य इकाईयों में भी ऐसे प्रयास का आह्वान किया। सम्मेलन ने प्रकाशन लागत में हो रही वृद्धि के चलते वर्ष 2014 के अक्टूबर माह से आगामी नवीनीकरण के समय से आन्दोलन की खबर की वार्षिक सदस्यता शुल्क की राशि में 10/- की बढ़ोतरी का फैसला लिया। अतः अक्टूबर 2014 से आन्दोलन की खबर की वार्षिक सदस्यता शुल्क 50 रू. तथा प्रति कापी मूल्य 5/- होगी।

4. **''इंश्योरेन्स वर्कर'' के पाठकों की बढ़ोतरी के लिये जारी रखो प्रयास :**

सम्मेलन ने मध्य क्षेत्र की प्रत्येक इकाई में न्यूनतम 5 प्रति इंश्योरेन्स वर्कर की मंगाये जाने के पूर्व के निर्णय को पुनः दोहराते हुये सभी मंडलों में इंश्योरेन्स वर्कर की पाठक संख्या में सतत् वृद्धि के प्रयासों को जारी रखने का आह्वान किया। सम्मेलन ने इस मामले में जिन मंडलों में विगत सम्मेलन की तुलना में इस मामले में यथास्थिति आ गयी है उसे दुरूस्त करने का आह्वान करते हुये निर्णयानुसार इंश्योरेन्स वर्कर को विज्ञापन प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से सभी मंडलों से भेजना जारी रखने का निर्णय लिया।

5. **बीमा कानून संशोधन विधेयक 2008 के पारित होने पर दूसरे दिन हड़ताल के लिये तैयार रहो :**

सम्मेलन ने बीमा कानून संशोधन विधेयक संसद में पारित होने की स्थिति में उसके दूसरे दिन AIIEA के निर्णयानुसार तुरंत देशव्यापी

हड़ताल को मध्य क्षेत्र में ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने सजग व तैयार रहने का आह्वान किया।

6. AIIEA के आगामी महाधिवेशन को सफल बनाओ :

सम्मेलन ने नागपुर में 20 से 24 जनवरी 2014 को WZIEA के तत्वावधान में होने जा रहे AIIEA के 23वें अधिवेशन को कामयाब बनाने सभी मंडलों से निर्धारित सहयोग राशि एकत्रित करने का आह्वान करते हुये विश्वास व्यक्त किया कि रायपुर व बिलासपुर इसके लिये अधिकतम राशि एकत्रित करेंगे। सम्मेलन ने AIIEA के 23वें अधिवेशन हेतु मध्यक्षेत्र के 33 प्रतिनिधियों का भी सर्वसम्मति से निर्वाचन किया।

का. के. वेणु गोपाल व का. व्ही. रमेश का सम्बोधन :

सम्मेलन के प्रतिनिधि सत्र के दौरान दिनांक 17 दिसम्बर, 2013 को AIIEA के महासचिव का. वेणु गोपाल व सहसचिव का. व्ही. रमेश ने संबोधित किया। उन्होंने CZIEA सम्मेलन की सफलता के लिये बधाई देते हुये बीमा कर्मचारियों के आन्दोलन के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का विस्तृत विश्लेषण रखा। उन्होंने साथियों से आगामी संघर्ष के लिये जुटने का भी आह्वान किया।

पत्रकार वार्ता :

सम्मेलन के पूर्व 14 दिसम्बर, 2013 को CZIEA महासचिव तथा सम्मेलन के दौरान 17 दिसम्बर, 2013 को AIIEA महासचिव ने पत्रकार वार्ता को भी संबोधित किया। जिसे समाचार पत्रों में व्यापक स्थान प्राप्त हुआ।

नये पदाधिकारियों का निर्वाचन :

अधिवेशन ने आगामी आलोच्य वर्षों के लिये निम्न पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया।

1.	अध्यक्ष	का. एन. चक्रवर्ती	जबलपुर
2.	उपाध्यक्ष	का. व्ही.एस. बघेल	रायपुर
		का. एम.के . जायसवाल	ग्वालियर
		का. मुकेश भदौरिया	भोपाल
3.	महासचिव	का. बी. सान्याल	रायपुर
4.	सहसचिव	का. डी.आर. महापात्र	रायपुर
		का. पूषण भट्टाचार्य	भोपाल
		का. सरवर अंसारी	भोपाल
		का. सुजीत शर्मा	रायपुर
		का. अजीत केतकर	इंदौर
		का. टी.पी. पांडे	सतना
		का. स्वर्णेन्दु दास	शहडोल
		का. राजेश शर्मा	बिलासपुर
		का. विजय मलाजपुरे	जबलपुर
5.	कोषाध्यक्ष	का. बी.के. ठाकुर	रायपुर
6.	सह-कोषाध्यक्ष	का. डी.के. भगत	रायपुर

अधिवेशन ने इसके अलावा निम्न 28 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का भी एकमतेन निर्वाचन किया।

1.	का. उषा परगनिहा	रायपुर
2.	का. गंगा साहू	रायपुर
3.	का. अतुल देशमुख	रायपुर
4.	का. ए. तिर्की	रायपुर
5.	का. ए.व्ही.के. राव	जबलपुर
6.	का. अशोक कोष्टा	जबलपुर
7.	का. श्यामजी शुक्ला	जबलपुर
8.	का. गायत्री सूरी	जबलपुर
9.	का. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता	शहडोल
10.	का. राना मलिक	शहडोल
11.	का. संगीता मलिक	शहडोल
12.	का. डी.एस. बघेल	सतना
13.	का. सुशील गुप्ता	सतना
14.	का. मोनिका अवस्थी	सतना
15.	का. अनिल सुरवाड़े	इंदौर
16.	का. किशोर ठाकुर	इंदौर
17.	का. अनिल कुरील	इंदौर
18.	का. सुधा पंताने	इंदौर
19.	का. जे.पी. आर्य	ग्वालियर
20.	का. बृजेश सिंग	ग्वालियर
21.	का. सुनीता सिंग	ग्वालियर
22.	का. ओमप्रकाश डोंगरीवाल	भोपाल
23.	का. रूपनारायण बाथम	भोपाल
24.	का. तेजकुमार तिग्गा	भोपाल
25.	का. मंजू शील	भोपाल
26.	का. रवि श्रीवास	बिलासपुर
27.	का. जी.पी. कछवाहा	बिलासपुर
28.	का. संगीता झा	बिलासपुर

का. एस.आर. उर्ध्वरेषे लाल सलाम :

CZIEA के अध्यक्ष का. एस.आर. उर्ध्वरेषे इस सम्मेलन में संगठन के अध्यक्ष पद के दायित्व से निवृत्त हुये। उल्लेखनीय है कि वे CZIEA के गठन के समय से इसके अध्यक्ष रहे तथा तमाम पारिवारिक व स्वास्थ्यगत परेशानियों के बावजूद CZIEA को मजबूत करने में अपना अहम् योगदान देते रहे। अष्टम अधिवेशन ने उनके द्वारा दिये गये प्रत्येक योगदानों के लिये कृतज्ञता व्यक्त करते हुए CZIEA के विकास के लिये योगदान देने हेतु धन्यवाद दिया। CZIEA को उनकी मंशा के अनुरूप निरन्तर मजबूत करने का संकल्प लिया।

CZIEA के सहसचिव का. एस.के. घोष भी इस अधिवेशन से संगठन के पद से निवृत्त हुए, उन्हें भी संगठन की ओर से धन्यवाद दिया गया।

आगामी अधिवेशन :

अष्टम अधिवेशन ने CZIEA के आगामी नवम् अधिवेशन को आयोजित करने की जिम्मेदारी बिलासपुर मंडल (BDIEA) को सौंपी। करतल ध्वनि के मध्य BDIEA के महासचिव का. राजेश शर्मा सहित अन्य साथियों ने आगामी अधिवेशन हेतु CZIEA के ध्वज को अध्यक्ष का. एन. चक्रवर्ती से ग्रहण किया।

वैयक्तिक विवरण :

अधिवेशन में शामिल प्रतिनिधि व प्रेक्षकों का वैयक्तिक विवरण निम्नानुसार है :-

सम्मेलन में भाग लेने वालों की संख्या :

	प्रतिनिधि	प्रेक्षक	कुल योग
पुरूष	103	150	253
महिला	08	13	21
कुल	111	163	274

पद के आधार पर वर्गीकरण :

	प्रतिनिधि		प्रेक्षक		कुल
	वर्ग-3	वर्ग-4	वर्ग-3	वर्ग-4	कुल
पुरूष	101	02	142	08	253
महिला	08	निरंक	13	निरंक	21
कुल	109	02	155	08	274

शैक्षणिक योग्यता के आधार पर वर्गीकरण :

	प्रतिनिधि			प्रेक्षक			कुल
	हा.से.	स्नातक	स्नातकोत्तर	हा.से.	स्नातक	स्नातकोत्तर	
पुरूष	11	45	45	31	64	55	251
महिला	निरंक	04	04	03	06	04	21
कुल	11	49	49	34	70	59	272

टीप : दो पुरूष साथियों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता का उल्लेख नहीं किया है।

आयु के आधार पर वर्गीकरण :

	20-30 वर्ष		31-40 वर्ष		41-50 वर्ष		51 से ऊपर		कुल
	प्रति.	प्रेक्षक	प्रति.	प्रेक्षक	प्रति.	प्रेक्षक	प्रति.	प्रेक्षक	
पुरूष	00	03	03	21	65	105	35	21	253
महिला	00	01	01	03	04	08	03	01	21
कुल	00	04	04	24	69	113	38	22	274

इंश्योरेन्स वर्कर एवं आन्दोलन की खबर की ग्राहक संख्या के आधार पर वर्गीकरण :

	आन्दोलन की खबर		इंश्योरेन्स वर्कर	
	प्रतिनिधि	प्रेक्षक	प्रतिनिधि	प्रेक्षक
पुरूष	103	150	97	121
महिला	08	13	08	12
कुल	111	163	105	133

CZIEA के स्थापना सम्मेलन नवम्बर 1992 में उपस्थित रहने वाले साथियों की संख्या :

पुरूष	महिला	कुल
41	05	46

CZIEA/CZIEF के सम्मेलनों में सबसे अधिक बार शिरकत करने वाले साथियों के नाम :

पुरूष	का. बी. सान्याल	15 बार
महिला	का. उषा परगनिहा	10 बार

AIIEA के सम्मेलन में सबसे अधिक बार शिरकत करने वाले साथी का नाम :

पुरूष	का. बी. सान्याल	14 बार
महिला	का. उषा परगनिहा	09 बार

सांगठनिक गतिविधियों के कारण :

निलम्बन -	का. बी. सान्याल 2 बार
आरोप-पत्र -	का. बी. सान्याल 2 बार
	का. वासुदेव कासिमपुरे (जबलपुर) 1 बार
	का. सुरेश बाथम (ग्वालियर) 1 बार
	का. महेश वर्मा (ग्वालियर) 1 बार
	का. हेमराज पाल (भोपाल) 1 बार
जेल जाना -	का. धर्मराज महापात्र 29 बार
	का. बी. सान्याल 19 बार
प्रताड़ना -	का. पवन मैना (भोपाल)

CZIEA के अलावा अन्य संगठनों में भागीदारी करने वाले साथियों की संख्या :

पुरूष 37 महिला 02 कुल 39

सबसे कम उम्रसबसे अधिक उम्र

	प्रति.	प्रेक्षक	प्रति.	प्रेक्षक
पुरूष	का. सुरेन्द्र सिंह देव	का. कपिल देवड़ा	का. बी. सान्याल	का. प्रदुमन राम
	39 वर्ष, भोपाल-2	25 वर्ष, इंदौर	60 वर्ष 9 माह	58 वर्ष, शहडोल
महिला	का. अनिता सक्सेना	का. जोसना खलखो	का. उषा परगनिहा	का. मंजू देवांगन
	38 वर्ष, ग्वालियर	22 वर्ष, शहडोल	54 वर्ष	53 वर्ष, रायपुर

सांस्कृतिक कार्यक्रम :

सम्मेलन के दौरान 16 दिसम्बर 2013 की रात्रि GDIEA के साथियों ने का. महेन्द्र जैन के नेतृत्व में रंगारंग स्वर लहरी गीतों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अनेक प्रतिनिधि साथियों ने इसमें अपने गीत प्रस्तुत किये। 17 दिसम्बर की रात्रि इंदौर के साथियों ने स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली भारत यात्रा की वीडियो का प्रदर्शन किया।

GDIEA के साथियों को असंख्य लाल सलाम :

सम्मेलन ने CZIEA के अष्टम अधिवेशन के ऐतिहासिक व शानदार आयोजन के लिये GDIEA के प्रत्येक सदस्य, शुभचिंतकों व ग्वालियर के तमाम मेहनतकशों का लाल सलाम के नारों व करतल ध्वनि के साथ अभिनंदन किया। सम्मेलन के भव्य आयोजन में ग्वालियर व GDIEA के साथियों ने संगठन के प्रति अपने असीम स्नेह व श्रेष्ठता को प्रदर्शित किया जो निश्चय ही अनूठा है। सम्मेलन ने पुन: इसके लिये उन्हें बधाई दी।

साथियों, CZIEA का अष्टम अधिवेशन अनेक मायनों में एक ऐतिहासिक अधिवेशन रहा। इस सम्मेलन में लिये गये निर्णयों के क्रियान्वयन के जरिये निश्चय ही CZIEA आगामी दिनों में प्रगति पथ पर और मजबूती के साथ आगे बढ़ेगा, इसी विश्वास के साथ।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी

(बी. सान्याल)

महासचिव